

सीसर पुं. (तद्.) 1. देवताओं की सरमा नाम की कुतिया का पति 2. एक प्रकार का बालग्रह जिसका रूप कुत्ते की तरह है।

सीसल पुं. (तद्.) दे. रामबाँस। जिसके पत्ते तिकोने आकार के लगभग हाथ भर लंबे घृत कुमारी (एलोवेरा) की तरह के होते हैं, पत्तियों का कोमल भाग हटाकर अंदर मजबूत रेशे मिलते हैं जो रस्सी आदि बनाने के काम आते हैं।

सीसा पुं. (तद्.) मटमैले रंग की एक मूल धातु जो भारी या वजनी होती है। शीशा।

सीसी स्त्री. (अनु.) 1. सी सी शब्द 2. सीत्कार।

सीसों पुं. (तद्.) दे. शीशम।

सीसोपधातु पुं. (तत्.) सिंदूर या इंगुर जिसे सीसे की उपधातु माना जाता है।

सीह स्त्री. (तद्.) 1. महक, गंध, खुशबू 2. सिंह, शेर 3. साही एक जीव जिसके पंखों में कांटे होते हैं जिनसे प्राचीन काल में कलत्र या लेखनी बनाई जाती थी 4. शीत, ठंड।

सुंखड़ पुं. (तद्.) साधुओं का एक समुदाय।

सुंग/शुंग पुं. (तद्.) एक प्रसिद्ध प्राचीन राजवंश जो अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ के प्रधान सेनापति पुष्यमित्र ने ईसा से लगभग दो सौ वर्ष पूर्व प्रतिष्ठित किया था।

सुँघनी स्त्री. (तद्.) तंबाकू से तैयार एक चूर्ण जिसे लोग सूँघते हैं तथा दाँतों पर भी मलते हैं क्योंकि वह कीटाणुनाशक भी होता है, नवसार, नस्य।

सुँघाना स्त्री. (तद्.) किसी को सूँघने में प्रवृत्त करना, गंध ग्रहण कराना।

सुँघाई स्त्री. (तद्.) सौधापन, सौँधा होने की अवस्था, भाव या गुण।

सुगंध पत्री स्त्री. (तत्.) जावित्री, रुद्रजटा, फूल प्रियंगु, कंकोल।

सुगंधि/सुगंधिता पुं. (तत्.) 1. खुशबू, सुवास, गंध 2. आम 3. कसेरू 4. पिपरामूल 5. धनियाँ 6. अगिया-धास 7. मोथा 8. एलुवा 9. वन तुलसी

10. गोरख ककड़ी 11. चंदन 12. तंबाकू 13. अनंतमूल आदि।

सुगंधि पुष्प पुं. (तत्.) धारा कदंब।

सुगंधि फल पुं. (तत्.) शीतल चीनी, कबाब चीनी।

सुंठि स्त्री. (तत्.) सोंठ, सुखाया हुआ अदरक।

सुंड पुं. (तत्.) सूँड, हाथी की सूँड 2. हाथी का मद 2. एक तरह की शराब।

सुंडका पुं. (तत्.) सामान ढोने वाली गधे की पीठ पर लगाई जाने वाली गद्दी।

सुंड दंड पुं. (तद्.) दे. शुंदादंड, हाथी की सूँड।

सुंड-भुसुंड पुं. (तद्.) जिसका अस्त्र सूँड हो, हाथी।

सुंडा पुं. (तद्.) हरे रंग का कीड़ा जो फलों, सब्जियों को कुतरता है।

सुंडाल पुं. (तत्.) हाथी।

सुंडाली वि. (तद्.) 1. सूँड वाला, हाथी 2. स्त्री. एक प्रकार की मछली।

सुंडीबंत पुं. (देश.) बंगाल, असम और खासिया की पहाड़ियों में पाया जाने वाला एक प्रकार का बेंत।

सुंद पुं. (तत्.) एक असुर जो निसुंद का पुत्र और उपसुन्द का भाई था।

सुंदर वि. (तत्.) 1. जो आँखों को अच्छा लगे, मनोहर, रूप, रचना, रंग, गुण आदि की दृष्टि से मन को प्रिय लगने वाला, खूबसूरत 2. हृदय या बुद्धि को अच्छा लगने वाला जैसे- सुंदर-विचार 3. उचित, ठीक 4. शुभ, मंगलमय 5. कामदेव का एक नाम।

सुंदरता स्त्री. (तत्.) 1. सुंदर होने का भाव या गुण, सौंदर्य, खूबसूरती, मनोहरता 2. स्थान आदि की रमणीयता, मनोहरता 3. सुरूपता, लावण्य, शरीर के अंगों की सुंदरता 4. किसी व्यक्ति या पदार्थ का हृदय या बुद्धि को अच्छा लगने वाला गुण 5. सहीपन, औचित्य 6. शुभता, मंगलमयता।

सुंदरताई स्त्री. (तद्.) सुंदरता, मनोहरता।

सुंदरत्व पुं. (तत्.) सौंदर्य, सुंदरता, रमणीयता, मनोहरता।